# आदरणीय दीदी मनमोहिनी जी की विशेषताओं के आधार पर प्रश्नावली

**प्रश्न 1. मधुबन में दीदी ने निरन्तर कब से रहना आरंभ किया था?**
उत्तर - 1965 से, जब मम्मा ने भौतिक देह का त्याग किया था।

**प्रश्न 2. दीदी जब बालक बन बाबा की अंगुली पकड़कर यज्ञ के हर डिपार्टमेंट में चक्कर लगाती थी तो बाबा दीदी से क्या कहते थे?**
उत्तर - बाबा कहते थे कि अभी आपने बाबा की अंगुली पकड़ी है। भविष्य में श्रीकृष्ण आपकी अंगुली पकड़कर चलेगा।

**प्रश्न 3. दीदी जी के पार्थिव देह को अंतिम विदाई कब दी गई।**
उत्तर - 30 जुलाई 1983 को

**प्रश्न 4. दीदी जी दूसरों में पढ़ाई का शौक कैसे पैदा करती थीं?**
उत्तर - मुरली के प्रश्न पूछकर, गीत, कवितायें, शेरो-शायरी.. आदि के जरिए।

**प्रश्न 5. डायरी की सौगात देते हुए दीदी क्या कहती थी?**
उत्तर - डायरी का पन्ना खोलो, देखो कितना अच्छा स्लोगन है, फिर पूछती इस स्लोगन से क्या प्रेरणा मिली, ज्ञान देकर ज्ञानयुक्त सौगात देती थी।

**प्रश्न 6. दीदी जब योग कराती थीं तो उनको देखने से क्या अनुभव होता था?**
उत्तर - उनकी आंखों से बाबा और नई राजधानी स्वर्ग दिखाई देता था।

**प्रश्न 7. कौन-सी बातों पर दीदी तुरन्त निर्णय नहीं लेती थी?**
उत्तर - सुनी-सुनाई बातों पर।

**प्रश्न 8. दीदी यज्ञ वत्सों को विशेष बात की संभाल करने के लिए कहती थीं।**
उत्तर - संग से सदा संभाल करने को कहती थीं।

**प्रश्न 9. दीदी कौन-सी भाषा से सदा मुक्त रही?**
उत्तर - मैं और मेरेपन की भाषा से सदा मुक्त रही।

**प्रश्न 10. दीदी मनमोहिनी जी का लौकिक नाम, उनकी लौकिक माताजी का नाम व उनकी लौकिक बहन का नाम क्या था?**
उत्तर - गोपी, क्वीन मदर, शील बहन।

**प्रश्न 11. दीदी जी की कोई पांच विशेषतायें बताईये।**
उत्तर - नंबनवन स्टूडेण्ट, दिनचर्या में एक्युरेट, कर्म करके सिखाती थीं, संपूर्ण सम्पर्ण अर्थात् लौकिक से संपूर्ण किनारा, दूसरों में उमंग-उत्साह भरने की विशेष कला।

**प्रश्न 12. दीदी ने शिवशक्ति का बैज किसे पहनाया था?**
उत्तर - दादी जानकी जी को।

**प्रश्न 13. दीदी जी का कौन-सा फेवरेट गीत था।**
उत्तर - अब घर जाना है।

प्रश्न 14. दीदी और दादी प्रकाशमणि के बार में कौन-सी बात प्रचलित थी।
उत्तर - शरीर दो और आत्मा एक है।

**प्रश्न 15. यज्ञ कारोबार को करते दीदी को कौन-सी स्मृति रहती थी?**
उत्तर - करावनहार बाबा करा रहा है वही करता-कराता है।

**प्रश्न 16. दीदी की आत्मिक स्थिति का कैसा अभ्यास था?**
उत्तर - ऐसा अभ्यास था तो नजर से निहाल कर हर आत्मा को तृप्त कर देती थी।

**प्रश्न 17. दीदी कौन-सी बातों से सदा मुक्त रही?**
उत्तर - व्यर्थ की बातों से, परचिन्तन, परदर्शन से सदा मुक्त रहीं।

**प्रश्न 18. दीदी को जो भी बहन मिलती थी तो क्या कहती थी?**
उत्तर - तुम मेरी सखी हो, चाहे कोई छोटी बहन हो या बड़ी हो, सबका दिल जीत लेती थी।

**प्रश्न 19. दीदी जी ने अपना भौतिक देह कब त्याग किया?**
उत्तर - 28 जुलाई 1983

**प्रश्न 20. दीदी जी में कौन-सी विशेष शक्तियां थीं जिनका हर कोई जिक्र करता है?**
उत्तर - परखने की शक्ति, निणर्य करने की शक्ति।

**प्रश्न 21. दीदी सदा कौन-से स्वमान में रहती थीं?**
उत्तर - स्वयं सर्वशक्तिमान बाबा हमारा साथी है।

**प्रश्न 22. दीदी यज्ञ कारोबार को निर्विघ्न चलाने के लिए विशेष कौन-सा ईशारा देती थी।**
उत्तर - विशेष मौन व अव्यक्त भाषा द्वारा साईलेंस शक्ति बढ़ाकर सेवा करने का ईशारा देती थी।

**प्रश्न 23. श्रीमत की वैल्यू दीदी ने कैसे सिखाई? - दादी जानकी जी के अनुभव से।**
उत्तर - श्रीमत की वैल्यू दीदी ने कान पकड़कर सिखाई है अर्थात् श्रीमत सदा सिरमाथे पर रही और सबको श्रीमत पर चलने के लिए पक्का करने में तत्पर रहती थी।

**प्रश्न 24. कौन-सी एक स्मृति से दीदी साक्षीद्रष्टा और उपराम बन गई?**
उत्तर - छोड़ो अब बातों को, अब तो घर जाना है।

**प्रश्न 25. दीदी यज्ञ में इकॉनामी करने का ईशारा देते समय क्या कहती थी?**
उत्तर - दीदी कहती थी गरीब-गरबी बच्चे, भोली-भोली मातायें अपनी मेहनत की कमाई यज्ञ में भेजती हैं इसलिए कोई भी व्यर्थ खर्च नहीं करना है।

**ओम शान्ति**